Rajasthan GK Questions PDF- 7

अध्याय-8 राजस्थान के लोकनृत्य एवं लोकनाट्य

☛ **भवाई नृत्य के बारे में कौनसा कथन सत्य है?**

(1) तेज लय में विविध रंगों की पगड़ियों से हवा में कमल का फूल बनाना, सात-आठ मटके सिर पर रखकर नृत्य करना, जमीन पर रखे साल को मुँह से उठाना, तेज तलवार व काँच के टुकड़ों पर नृत्य करना।
(2) रूपसिंह शेखावत, दयाराम, ताराशर्मा, प्रमुख कलाकार है।
(3) व्यवसायिक नृत्य है।
(4) उपर्युक्त सभी। (4)

व्याख्या–यह नृत्य उदयपुर क्षेत्र में शंकरिया, सूरदास, बोटी, ढोकरी, बीकाजी व ढोलामारू नाच के रूप में प्रसिद्ध है।

☛ **मांगीबाई व लक्ष्मणदास किस नृत्य से संबंधित नृत्यकार है-**

(1) गीदड़ नृत्य (2) कच्छी नृत्य
(3) गैर नृत्य (4) तेरहताली नृत्य (4)

व्याख्या–इसमें स्त्रियाँ नृत्य करती है व पुरूष वाद्य यंत्र के रूप में मंजीरा, तानपुरा, चौतारा आदि बजाते है।

☛ **कामण जाति के लोगों द्वारा कौनसा नृत्य किया जाता है?**

(1) तेरहताली नृत्य (2) वालर नृत्य
(3) घूमर नृत्य (4) गरबा नृत्य (1)

व्याख्या–यह मंजीरों की सहायता से किया जाता है इसमें नौ मंजीरे दांये पाँव पर, दो हाथों की कोहनी के ऊपर और एक-एक दोनों हाथों में रहते है।

☛ **कच्छी घोड़ी नृत्य कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) शेखावाटी (2) मारवाड़
(3) हाड़ौती (4) ढुंढाड़ (1)

व्याख्या–विवाह के अवसर पर पुरुषों द्वारा किया जाता है।

- कच्छी घोड़ी शेखावाटी, कुचामन, परबतसर, डीडवाना का प्रसिद्ध व्यवसायिक नृत्य है।
- वाद्य यंत्र के रूप में ढोल व थाली बजाई जाती है।
- पुरूष हाथ में तलवार लेकर लकड़ी व कपड़े की घोड़ी पर सवार होकर नृत्य करता है।

☛ **चंग नृत्य मुख्यत: किस क्षेत्र में किया जाता है-**

(1) मेवाड़ (2) मारवाड़
(3) हाड़ौती (4) शेखावाटी (4)

व्याख्या–होली के अवसर पर पुरुषों द्वारा किया जाता है।

☛ **उदयपुर के लोक कला मंडल के संस्थापक कौन है?**

(1) देवीलाल सामर (2) विजयदान देथा
(3) सूर्यमल्ल मिश्रण (4) कर्नल जेम्स टॉड (1)

व्याख्या–देवीलाल सामर ने राजस्थान के लोकनृत्यों को उनके प्रचलन व भौगोलिक विशिष्टताओं के आधार पर तीन भागों में बांटा है-

1. पहाड़ी लोकनृत्य
2. राजस्थानी लोकनृत्य
3. पूर्वी मैदानी लोकनृत्य

☛ **अग्नि नृत्य के बारे में कौनसा कथन सत्य है-**

(1) जसनाथी संप्रदाय के प्रसिद्ध अग्नि नृत्य का उद्गम, बीकानेर जिले की कतरियासर गाँव में हुआ।
(2) नर्तक गुरु के सामने नाचते हुए फतैफतै कहते हुए धुणे में प्रवेश करते हैं।
(3) नर्तक द्वारा अंगारों से मतीरा फोड़ना, हल जोतना आदि क्रियाएँ की जाती है।
(4) उपयोग सभी (4)

व्याख्या–इसमें सिर्फ पुरूष ही भाग लेते है। इसके सभी नर्तक "जसनाथी सम्प्रदाय" के अनुयायी "जाट सिद्ध" कबीले के लोग होते है।

- धूणा – अंगारो का ढेर
- जसनाथ जी के अनुयायी इनके 36 नियमों का पालन करते है।

☛ **चार बैंत में कौनसा वाद्य यंत्र प्रयोग में आता है?**

(1) डफ (2) ढोल
(3) चंग (4) बांसुरी (1)

व्याख्या–यह संगीत दंगल के रूप में खेला जाता है।

☛ **वालर नृत्य कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) उदयपुर (2) सिरोही
(3) अलवर (4) भरतपुर (2)

व्याख्या–वालर नृत्य गरासिया जनजाति का प्रसिद्ध नृत्य है।

- इसमें वाद्य यंत्र का प्रयोग नहीं किया जाता है।
- स्त्री पुरुषों दोनों द्वारा किया जाने वाला नृत्य।
- यह नृत्य दो अर्द्धवृत्तों में किया जाता है।
- बाहरी अर्द्धवृत – पुरूष
- अन्दर का अर्द्धवृत – महिला
- इस नृत्य का प्रारंभ एक पुरूष हाथ में छाता या तलवार लेकर करता है।
- गरासिया जनजाति के अन्य नृत्य – लूर, गौर, जवारा, मगरा, मोरिया, मांदल, रायण आदि।

☛ **मेवाड़ के शाह अली और तुकनगीर नामक संत पीरों ने 400 वर्ष पूर्व में किस ख्याल की रचना की–**

(1) तुर्रा कलंगी ख्याल (2) हेला ख्याल
(3) कुचामनी ख्याल (4) जयपुरी ख्याल (1)

व्याख्या–तुर्रा को शिव और कलंगी को पार्वती का प्रतीक माना जाता है।

- **जयपुरी ख्याल की अन्य विशेषताएँ**– स्त्री पात्रों की भूमिका का निर्वहन स्त्रियाँ भी करती है। इसमें समाचार पत्रों, कविता, संगीत, नृत्य, गान आदि का सुन्दर समावेश मिलता है।
- इसमें काव्यमय रचनाएँ 'दुंगल' व 'सवांद' 'बोल' कहलाते है।
- यह गैर व्यावसायिक नृत्य है।
- वाद्ययंत्र–चंग
- रंगमंच–20 फीट ऊँचा
- इसमें तुकनगीर 'तुर्रा' व शाह अल 'कलंगी' के पक्षकार है।

☛ **गवरी नृत्य के बारे में कौनसा कथन सत्य है–**

(1) गवरी का मुख्य पात्र बुढ़िया होता है।
(2) रक्षाबंधन के दूसरे दिन भादवा कृष्णा प्रतिपदा को खेडादेवी से भोपा गवरी मंचन की आज्ञा लेता है।
(3) गवरी में केवल पुरुष पात्र होते हैं।
(4) उपर्युक्त सभी (4)

व्याख्या–गवरी मेवाड़ क्षेत्र में भीलों द्वारा किया जाने वाला एक धार्मिक लोकनाट्य है।

- प्रारंभ – भाद्रपद कृष्णा एकम से (रक्षाबंधन के दूसरे दिन से)
- अवधि – सवा महिना
- कथा – शिव–भस्मासुर की
- मुख्य पात्र – बूढ़िया (अन्य पात्र 'खेल्ये' कहलाते है।)
- कविता बोलने वाला पात्र – झामटिया
- मजाक करने वाला पात्र – कुटकुटिया
- वाद्य यंत्र– मांदल
- उपनाम – लोकनाट्यों का मेरूनाट्य, राई
- **विशेष** – *यह राजस्थान का सबसे प्राचीन लोकनाट्य है।*

☛ **सोनी जयदयाल, चेतराम, हमीद बेग, ताराचंद तथा ठाकुर ओंकार सिंह किस ख्याल के प्रसिद्ध कलाकार है?**

(1) हेला ख्याल (2) जयपुरी
(3) तुर्रा कलंगी ख्याल (4) शेखावाटी ख्याल (3)

व्याख्या–इनका मुख्य केन्द्र घोसुंडा, चित्तौड़, निम्बाहेडा तथा नीमच।

☛ **चार बैंत कहाँ का प्रसिद्ध लोकनाट्य है?**

(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) टोंक (4) दौसा (3)

व्याख्या–इसका प्रारंभ टोंक के नवाब फैजुल्ला खॉन के शासनकाल में करीम खान निहंग द्वारा किया गया।

☛ **गैर कहाँ का प्रसिद्ध नृत्य है?**

(1) हाड़ौती (2) शेखावाटी
(3) मेवाड़ व बाड़मेर (4) मारवाड़ (3)

व्याख्या–गैर नृत्य होली त्यौंहार पर किया जाता है।

- गैर में केवल पुरुष भाग लेते हैं। गैर करने वाले 'गेरिये' कहलाते है।
- इसमें प्रयुक्त होने वाले वाद्य यंत्र – ढोल, बांकिया व थाली।

☛ **गींदड़ नृत्य कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) मारवाड़ (2) शेखावाटी
(3) हाड़ौती (4) ढुंढाई (2)

व्याख्या–होली के अवसर पर किया जाता है।

- भाग लेने वाले – केवल पुरूष
- वाद्य यंत्र – नगाड़ा, ढोल, डफ, चंग आदि
- गणगौर – महिलाओं के वस्त्र पहनकर भाग लेने वाले पुरूष।
- विभिन्न स्वांग – साधु, शिकारी, सेठ–सेठानी, दूल्हा–दुल्हन, सरदार, पठान, पादरी, बाजीगर आदि।

☛ **राजा, बजिया, साधु, शिवाजी, रामचन्द्र, कृष्ण, रानी, सिधिन, सीता आदि विभिन्न प्रकार की वेशभूषाएं किस नृत्य के दौरान पहनी जाती है?**

(1) डांडिया (2) गैर नृत्य
(3) चंग नृत्य (4) गींदड़ नृत्य (1)

व्याख्या–यह होली के बाद मारवाड़ में किया जाता है। इसके गीतों में बड़ली के भैरूजी का गुणगान किया जाता है।

- **वाद्य यंत्र** – शहनाई व नगाड़े।

☛ **घुडला कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) भरतपुर (4) अजमेर (2)

व्याख्या–यह केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है।

- स्त्रियाँ सिर पर एक छिद्रित मटकों में जलता दीपक रखकर नृत्य करती है।

☛ **ढोल नृत्य कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) जयपुर (2) जोधपुर

(3) जालोर (4) नागौर (3)

व्याख्या–ढोल थाकना शैली में बजाया जाता है।

- इस व्यवसायिक नृत्य को पहचान जयनारायण व्यास ने दिलवाई।

☛ **बम नृत्य कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) अलवर व भरतपुर (2) बाड़मेर

(3) जालोर (4) बीकानेर (1)

व्याख्या–इस नृत्य में नगाड़ा, चिमटा, थाली, ढोलक वाद्य यंत्र का प्रयोग किया जाता है।

- यह नृत्य पुरूषों द्वारा फागुन की मस्ती व नई फसल आने की खुशी में किया जाता है।
- इसमें प्रयुक्त होने वाले बड़े नगाड़े को "बम" कहा जाता है।

☛ **राजस्थान के लोक नृत्य का सिरमौर है?**

(1) डांडिया नृत्य (2) घुड़ला नृत्य

(3) घूमर नृत्य (4) गैर नृत्य (3)

व्याख्या–यह नृत्य मांगलिक अवसरों, पर्वों आदि पर महिलाओं द्वारा किया जाता है।

- महिलाओं के लहंगे का घेर "घूम्म" कहलाता है। इसमें ढोल, नगाड़े व शहनाई आदि वाद्ययंत्र प्रयोग में लाए जाते है।

☛ **गरबा नृत्य कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर (2) भरतपुर, अलवर

(3) बीकानेर, बाड़मेर (4) कोटा, बूँदी (1)

व्याख्या–यह तीन रूपों में किया जाता है।

प्रथम रूप – शक्ति की अराधना के रूप में।

दूसरा रूप – रास नृत्य के रूप में।

तीसरा रूप – लोक-जीवन सौंदर्य के रूप में।

- लोकजीवन वाले प्रसंगों में पणिहारी, नववधू की भावुकता, गृहकार्य में लीन स्त्री आदि का चित्रण किया जाता है।

☛ **2010 में से कौनसे नृत्य को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया?**

(1) कालबेलिया (2) तेरहताली

(3) घूमर (4) गींदड़ (1)

व्याख्या–नृत्य की प्रसिद्ध नृत्यांगना गुलाबो है।

☛ **नेजा, रमणी, युद्ध नृत्य, हाथीमना, घूमरा नृत्य किस जनजाति के नृत्य है?**

(1) गरासिया (2) सहरिया

(3) भील (4) मीणा (3)

☛ **घूमर, गौर, जवारा, मोरिया, लूर, कूद, मांदल आदि नृत्य किस जनजाति के है?**

(1) भील (2) गरासिया

(3) मीणा (4) सहरिया (2)

☛ **चरी, झूमर, नृत्य का किस जाति से संबंध है?**

(1) गुर्जर (2) बंजारा

(3) कंजर (4) सहरिया (1)

☛ **इंडोनी, पणिहारी, बागड़िया, शंकरिया, चकरी आदि नृत्य का संबंध किस जनजाति से है?**

(1) भील (2) मीणा

(3) कंजर (4) कालबेलिया (4)

☛ **निम्न में से कौनसा कथन सत्य है–**

(1) मछली नृत्य – बंजारो द्वारा

(2) चकरी धाकड़ नृत्य – कंजर

(3) शिकारी नृत्य – सहरिया

(4) उपर्युक्त सभी (4)

☛ **मावलिया नृत्य किस जनजाति का नृत्य है?**

(1) कथौडी (2) कंजर

(3) डामोर (4) गरासिया (1)

☛ **कुचामनी ख्याल के प्रवर्तक है?**

(1) नानूराम (2) लच्छीराम

(3) अलीबख्शी (4) उपर्युक्त सभी (2)

व्याख्या–उगमराज भी कुचामनी ख्याल के प्रमुख खिलाड़ी थे।

- लच्छीराम द्वारा रचित प्रमुख ख्याले -चांद, नीलगिरी, राव रिड़मल, मीरा मंगल आदि।
- **कुचामनी ख्याल की विशेषताएँ** -
  1. इसका रूप ऑपेरा जैसा है।
  2. लोकगीतों की प्रधानता।
  3. प्रदर्शन खुले मंचों पर।
  4. स्त्री चरित्रों का अभिनय पुरूष पात्रों द्वारा
  5. भाषा सरल व सहज होती है।
  6. विषय सामाजिक व्यंग्य पर आधारित चुने जाते है।
  7. वाद्य यंत्र – ढोल, शहनाई, ढोलक, सारंगी आदि।

☛ **हेला ख्याल के प्रमुख प्रेरक कौन थे?**

(1) नानूराम (2) लच्छीराम

(3) शायर हेला (4) सागर हेला (3)

व्याख्या–हेला ख्याल दौसा, लालसोट व सवाईमाधोपुर क्षेत्र का प्रसिद्ध लोकनाट्य है।

- इसकी प्रमुख विशेषता लम्बी टेर (हेला) देना है।
- **प्रमुख वाद्य यंत्र** – बम (बड़ा नगाड़ा) व नौबत

☛ **शेखावाटी ख्याल के मुख्य खिलाड़ी है?**

(1) अलीबख्शी (2) लच्छीराम

(3) नानूराम (4) उपर्युक्त सभी (3)

व्याख्या—नानुराम का संबंध चिड़ावा से है जिन्होंने हीर राँझा, हरीचन्द, भर्तृहरि, जयदेव कलाली, ढोला मरवण और आल्हादेव आदि ख्यालों की रचना की।

- नानुराम के शिष्य दुलिया राणा की ख्याले भी शेखावाटी में लोकप्रिय है।
- **वाद्य यंत्र** - हारमोनियम, सारंगी, शहनाई, बांसुरी, नक्कारा, ढोलक आदि।

☛ **कन्हैया ख्याल कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) करौली, सवाईमाधोपुर (2) धौलपुर

(3) भरतपुर (दौसा) (4) उपर्युक्त सभी (4)

व्याख्या—कन्हैया ख्याल में की जाने वाली मुख्य कक्षा को 'कहन' तथा मुख्य पात्र की 'मेडिया' कहते हैं।

☛ **मेवाड़ के अरावली क्षेत्र की भील जाति का लोकनृत्य है?**

(1) गैर नृत्य (2) गवरी नृत्य

(3) युद्ध नृत्य (4) भवाई नृत्य (2)

व्याख्या—यह नृत्य शिव भस्मासुर की कथा पर आधारित है।

- इसमें गणपति, भमरिया, भेआवड़, मीणा, कान-गुजरी, जोगी, खाड़लिया भूत, लाखा बणजारा, नटड़ी तथा माता और शेर आदि लघु नाटिकाओं का मंचन किया जाता है।
- इसमें 'राया' स्त्री रूप में पार्वती और विष्णु की प्रतीक होती है।

☛ **रम्मत है—**

(1) लोकगीत (2) लोकनाट्य

(3) लोकनृत्य (4) वाद्ययंत्र (2)

व्याख्या—रम्मत मुख्य रूप से जैसलमेर, बीकानेर व फलौदी में आयोजित होती है।

- **रम्मत की विशेषताएँ—**
  - ➡ साहित्यिकता लिये हुए।
  - ➡ गैर व्यवसायिक (सामुदायिक लोकनाट्य)
  - ➡ इनकी मूल ऊर्जा का स्त्रोत 'टेरिये' होते है।
  - ➡ मंच योजना खुले मोहल्ले, मंडी या बाजार के चौक में होती है।
  - ➡ मंच के चारो ओर दर्शक बैठते है।
- **वाद्य यंत्र** - नगाड़ा, तबला, झांझ, चिमटा, तंदुरा, ढोलक, हारमोनियम आदि।

☛ **मनीराम व्यास, तुलसीराम, फागू महाराज, सुआ महाराज, तेज कवि किसके कलाकार है?**

(1) रम्मत (2) नौटंकी

(3) तमाशा (4) स्वांग (1)

व्याख्या—आचार्यों के चौक की अमरसिंह राठौड़ की रम्मत, बिस्सो की चौक की चौबेल नौटंकी की रम्मत, कीकाणी व्यासो के चौकी की जमनादास जी की रम्मत आदि बीकानेर की प्रसिद्ध रम्मते है।

☛ **"स्वतंत्र बावनी" की रचना किसने की?**

(1) नानूराम (2) तेज कवि जैसलमेरी

(3) लच्छीराम (4) अलीबख्शी (2)

व्याख्या—तेजकवि ने रम्मत का अखाड़ा श्रीकृष्ण कम्पनी के नाम से शुरू किया। 1943 में रचित स्वतंत्र बावनी रम्मत इन्होंने गांधीजी को भेंट की।

☛ **तमाशा कहाँ का प्रसिद्ध है—**

(1) जोधपुर (2) जयपुर

(3) उदयपुर (4) जैसलमेर (2)

व्याख्या—(महाराजा प्रतापसिंह के काल में शुरू हुआ)

☛ **फुलजी भट्ट, गोपीजी भट्ट व वासुदेवजी भट्ट राजस्थान की किस लोकनाट्य शैली के कलाकार है?**

(1) तमाशा (2) रम्मत

(3) चारबैत (4) नौटंकी (1)

व्याख्या—तमाशो का मंचन जिस खुले मंच पर होता है उसे अखाड़ा कहा जाता है। गोपीचंद व हीर रांझा प्रमुख तमाशे है। तमाशे में संगीत, नृत्य व गायन तीनों की प्रधानता होती है।

☛ **स्वांग कहाँ का प्रसिद्ध है?**

(1) जयपुर (2) जोधपुर

(3) भीलवाड़ा (4) उदयपुर (3)

व्याख्या—इस कला में विभिन्न वेशभूषा व मेकअप द्वारा देवी-देवताओं या प्रसिद्ध व्यक्तियों का स्वांग धरा जाता है। इसके कलाकार को "बहुरूपिया" कहा जाता है।

☛ **परशुराम व जानकीलाल भांड किस लोकनाट्य के प्रसिद्ध कलाकार है?**

(1) रम्मत (2) स्वांग

(3) नौटंकी (4) चारबेत (2)

व्याख्या—परशुराम का संबंध केलवा (राजसमंद) से व जानकीलाल भांड का संबंध भीलवाड़ा से है। जानकीलाल को "मंकी मैन" के नाम से भी जाना जाता है।

☛ **सनकादिक लीला कहाँ की प्रसिद्ध है?**

(1) बस्सी (2) ब्यावर

(3) सोजत (4) भोपालगढ़ (1)

व्याख्या–प्रमुख लीलाएं - रावलो की रामत, समया, गवरी, सनकादिको की लीला, गरासियो की गोर लीला, रामलीला, रासलीला, कृष्ण लीला आदि।

- **रासलीला** – फुलेरा, जयपुर, असलपुर, हरदोणा, गुण्डा आदि में रासलीला की मण्डलिया है।
- **रामलीला** - भरतपुर, पाटूदा, बिसाऊ की प्रसिद्ध।
  ➡ सनकादिको की लीला घोसुंडा व बस्सी की प्रसिद्ध है।
- **घोसुंडा** – राधाकृष्ण के युगल व रास आदि की लीला
- **बस्सी** – ब्रह्मा, गणेश, कालिका, हिरण्यकश्यप, नृसिंहअवतार आदि की झांकिया।

☛ **नौटंकी खेल कहाँ प्रचलित है–**

(1) गंगापुर, सवाईमाधोपुर (2) अलवर, भरतपुर

(3) करौली, धौलपुर (4) उपर्युक्त सभी (4)

व्याख्या–नौटंकी के नाटकों के रूप बसंत, नकाबपोश, सत्यवादी हरिश्चन्द्र, राजा भ्रतहरि आदि प्रमुख है।

☛ **राजस्थानी लोक नाट्यों में ख्याल कब से शामिल हुए–**

(1) 15वीं सदी से (2) 18वीं सदी से

(3) 19वीं सदी से (4) 16वीं सदी से (2)

☛ **''भख्योर की गणगौर'' का संबंध किससे है?**

(1) गरासियों से (2) भीलों से

(3) कथौड़ी से (4) कजंरो से (1)

व्याख्या–गोर का आयोजन गरासियों द्वारा ''वैशाख शुक्ल चतुर्दशी'' को किया जाता है।

- इसमें लकड़ी की गोर व हंसर के साथ स्त्रिया नृत्य करती है।
- पुरूष मुखौटा लगाकर तलवारबाजी करते है।

☛ **राजस्थान के किस क्षेत्र से अली बक्शी ख्याल का संबंध है?**

(1) चिड़ावा

(2) दौसा

(3) अलवर

(4) भरतपुर (3)

राजस्थान की हर प्रतियोगी परीक्षा हेतु उपयोगी

❖ राजस्थान सामान्य ज्ञान के नोट्स डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए इमेज पर क्लिक करें --

❖ राजस्थान की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण नोट्स Free डाउनलोड :-

❖ राजस्थान कला एवं संस्कृति, भूगोल, इतिहास सभी के नोट्स Free डाउनलोड करने का एकमात्र Google वेबसाइट :- *Rajasthanclasses.in*

Rajasthanclasses.in
हर भर्ती की न्यूज सबसे पहले..
यहां उपलब्ध रहेगी 👇 👇
Latest News : Get Link

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए
गूगल सर्च करें या क्लिक करें 👇
Google
rajasthanclasses.in

Telegram
चैनल
ज्वॉइन करें

YouTube पर
ऑनलाइन क्लासेज भी देखें

हिंदी व्याकरण GK
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

भारत सामान्य ज्ञान
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

विज्ञान सामान्य ज्ञान
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

राजस्थान GK 2025
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

राजस्थान GK 2025
नोट्स PDF ....
PDF : Get Link

Click Here : Get More PDF